संत थॉमस स्कूल ,धुर्वा,रांची
सत्र 2020 - 2021
कक्षा - 8
विषय - हिंदी
पुस्तक - मंथन , पाठ - 15.गौरा
लेखिका - महादेवी वर्मा

प्रश्नों के उत्तर लिखिए ---

मौखिक प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उत्तर1. गौरा

उत्तर2. गाय के नेत्रों में हिरन के नेत्रों जैसा विस्मय न होकर एक आत्मीय विश्वास ही रहता है।

उत्तर 3. पशु- पक्षी अपनी लघुता और विशालता का का अंतर भूल वे उसके पेट के नीचे और पैरों के बीच में खेलने लगे।पक्षी उसकी पीठ और माथे पर बैठकर उसके कान तथा आंख खुजलाने लगे ।

उत्तर 4. लाल रंग के कारण गेरू का पुतला जैसा था। उसके माथे पर पान के आकार का श्वेत तिलक और चारों पैरों में खुरों के ऊपर सफेद घेरा ऐसा लगता था ,मानो गेरू की बनी वत्स मूर्ति को चांदी के आभूषणों से अलंकृत कर दिया गया हो।

उत्तर 5. आस-पास के बाल -गोपाल से लेकर कुत्ते - बिल्ली तक सब पर ' दूधो नहाओ' का आशीर्वाद फलित होने लगा।

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए--

उत्तर 1. लेखिका की बहन ने उसे गाय पाल लेने की सलाह दी।

उत्तर2.परिचितों और परिचारिकों में उसके लिए श्रद्धा का भाव आ गया। उसे लाल -सफेद गुलाबों की माला पहनाई गई। केसर -रोली का बड़ा-सा टीका लगाया गया। घी का चौमुखा दीया जलाकर उसकी आरती उतारी गई। दही पेड़ा खिलाया गया और उसका नामकरण हुआ गौरा।

उत्तर 3. पशुओं के इंजेक्शन के लिए सूजे के समान बहुत लंबी -मोटी सिरिंज तथा बड़ी बोतल भर दवा की आवश्यकता होती है। अतः वह इंजेक्शन भी अपने-आप में'शल्य- क्रिया'जैसा यातनामय हो जाता था।

उत्तर 4. गौरा प्रातः और सायं लगभग बारह सेर दूध

देती थी।

उत्तर 5. डॉक्टरों ने गाय को सेब का रस पिलाने की सलाह दी। जिससे सूई पर कैल्शियम जम जाए और गौरा को सूई चुभने की पीड़ा न हो।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए_--

उत्तर1. दूध -सी उज्जवल देहवाली गौरा वास्तव में बहुत सुंदर थी। पुष्ट लचीले पैर, भरे पुट्ठे, चिकनी भरी हुई पीठ, लंबी सुडौल गर्दन, निकलते हुए छोटे-छोटे सींग, भीतर की लालिमा की झलक देते हुए कमल की दोअधखुली पंखुड़ियों जैसे कान, लंबी और अंतिम छोर पर काले सघन पूंछ सब कुछ सांचे में ढला हुआ ,मानो इटेलियन मार्बल मैं तराश कर उस पर ओप दी गई हो। इतनी सुंदर हृष्ट-पुष्ट गौरा को देखकर लेखिका की दुविधा निश्चय में बदल गई।

उत्तर 2. गौरा के निकट जाने पर वह सहलाने के लिए गर्दन बढ़ा देती और हाथ फेरने पर अपना मुख आश्वस्त भाव से कंधे पर रखकर आंखें मूंद लेती। जब उससे दूर जाने लगते तब गर्दन घुमा -घुमा कर देखती रहती।

उत्तर3. लालमणि के लिए कई सेर दूध छोड़ देने पर भी इतना अधिक दूध शेष रहता था कि आस -पास के बाल-गोपाल से लेकर कुत्ते- बिल्ली तक सब पर मानो 'दूधोनहाओ'का आशीर्वाद फलित होने लगा। दुग्ध- दोहन के समय से सब गौरा के सामने एक पंक्ति में बैठ जाते और महादेव उनके खाने के लिए निश्चित बर्तन रख देता और वे सब आयोजन पर आमंत्रित अतिथियों के समान परम शिष्टता से दूध पीने के बाद अपने- अपने स्वर में कृतज्ञता ज्ञापन कर गौरा के चारों ओर उछलने कूदने लगते। गौरा भी प्रसन्न नजर से उन्हें देखती रहती ।

उत्तर 4. गाय को सुई खिला दी गई है, जो उसके रक्त संचार के साथ हृदय के पार हो जाएगी, तब रक्त संचार रुकने से उसकी मृत्यु निश्चित है।

उत्तर5. प्रायः कुछ ग्वाले ऐसे घरों में जहां उनसे अधिक दूध लिया जाता है, उस घरों में गाय का आना सह नहीं पाते, इसलिए मौका मिलते ही वे गुड़ को सूई में लपेट गाय को खिलाकर उसकी मृत्यु निश्चित कर देते हैं ।गाय के मर जाने पर उन घरों में फिर से दूध देने लगते हैं।